



66/7

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 3, 1994/पौष 13, 1915

No. 1]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 3, 1994/PAUSA 13, 1915

जल मूल्य पट्टन मंत्रालय
(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1994

का.आ.नि. 1(अ).—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उप-धारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उप-धारा (1) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट न्यासी मंडल द्वारा विशाखापट्टणम पोर्ट के लिए बनाये गये विशाखापट्टणम पोर्ट कर्मचारी (वाहन खरीदने के लिए अधिसूचना मंजूरी) विनियम, 1993 का अनुमोदन करती है और जिसे इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना की सरकारी राजपत्र में प्रकाशित करने की तारीख से लागू होंगे।

[सं. पी आर-12015/14/91-पीई-1]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट

अधिसूचना

महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा-28 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट का न्यासी मंडल निम्नलिखित विनियमों को बनाता है।

1. लघु शीर्ष और प्रारम्भ:—ये विनियम विशाखापट्टणम पोर्ट कर्मचारी (वाहन खरीदने के अधिसूचना मंजूरी) विनियम, 1993 कहा जाएगा।

ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से लागू होंगे।

2. परिभाषा:—इन विनियमों में प्रसंग से दूसरी बात अपेक्षित न हो:—

(क) लेखा अधिकारी माने विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट का वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी।

(ख) "बोर्ड" (मंडल), "अध्यक्ष", "उपाध्यक्ष" और "विभागाध्यक्ष" का वही अर्थ होगा जो महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का

38) में क्रमशः उनके लिए नियुक्त किया गया है।

(ग) श्रेणी-1 का अर्थ निम्नलिखित में से कोई भी हो सकता है।

(क) विभागाध्यक्षों के सभी पद।

(ख) सभी पद जिनका वेतन या स्केल प्रति माह रु० 4,230 या उससे अधिक (भत्ते को छोड़कर) होता है।

(ग) कोई भी अन्य पद जो (उपरोक्त (क) और (ख) की श्रेणी में नहीं हो, जिन्हें मंडल द्वारा मुख्यतः श्रेणी-1 पद के रूप में घोषित किया गया हो।

(घ) वाहन का अर्थ मोटर गाड़ी, मोटर साइकिल, स्कूटर, मोपेड और साइकिल।

(ङ) "वेतन" का अर्थ मूलभूत नियमों के नियम-9 (21)(क) में परिभाषित कर्मचारी द्वारा भत्ते के बिना प्रत्येक माह तथा अन्य किसी प्रकार की परिलब्धि के बिना आहरित रकम से है जो विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट द्वारा इस नियम के प्रयोजनार्थ विशेष रूप से वेतन के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

(च) कर्मचारी माने मंडल के कर्मचारी है।

3. विस्तार : (1) इन विनियमों के अन्तर्गत मंडल द्वारा सेवा या पद के लिए नियुक्त सभी कर्मचारी अग्रिम के हकदार हैं।

(2) ये विनियम निम्नलिखित पर लागू नहीं होंगे—

(क) नैमित्तिक या अंशकालिक रोजगार व्यक्ति।

(ख) केन्द्र या राज्य सरकार अथवा अन्य जगह से प्रतिनियुक्ति पर आये व्यक्ति।

(ग) संविदा पर नियोजित व्यक्ति संविदा पर अन्यथा उपबंधित व्यक्ति के अलावा।

(घ) विनियम-4 के अन्तर्गत यथा प्रावधान को छोड़कर मंडल के अधीन नियुक्त अस्थायी पद के कर्मचारी।

4. अस्थायी कर्मचारी के लिए अग्रिम :—कर्मचारी के स्थायी न होने पर भी उसे वाहन खरीदने के लिए अग्रिम दिया जा सकता है, अगर उसके विभागाध्यक्ष यह प्रमाणित कर दें कि मंडल के अधीन नियत काल में ही उसे स्थायी कर दिया जाएगा तो उपर्युक्त कर्मचारी को इन विनियमों के अनुलग्नक-1 में निर्दिष्ट फार्म में अपने आवेदन के साथ मंडल के अधीन विशेष रूप से नियुक्त और तुलनात्मक रूप से प्रतिष्ठित अथवा अग्रिम के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारी से उच्चस्तर के कर्मचारी से जमानत बंध-पत्र को पेश करने पर।

5. निलम्बित कर्मचारी को अग्रिम नहीं दिया जागा चाहिए :—विनियम 6 में निहित किसी विषय के होने पर भी निलम्बित कर्मचारी को वाहन खरीदने के लिए अग्रिम की मंजूरी नहीं दी जाएगी और यदि उसे निलम्बन करने के पहले ही अग्रिम की मंजूरी दी गई है तो ऐसे अग्रिम का भुगतान निलम्बन के दौरान नहीं किया जाएगा।

6. पात्रता के लिए शर्तें :—(1) किसी भी कर्मचारी को वाहन खरीदने के लिए अग्रिम दिया जा सकता है यदि उसका ड्यूटी में याज्ञा सम्मिलित हो और सक्षम अधिकारी कर्मचारी के लिए और उसके कार्यालय कार्यों को निपटाने के लिए वाहन उपयोगी है, और कर्मचारी में अग्रिम वापिस करने की क्षमता है तथा वह वाहन को अच्छी चलन स्थिति में रख सकता है इससे संतुष्ट होने पर प्राधिकारी वाहन अग्रिम मंजूर करने के लिए प्राधिकृत है।

(2) मोटर गाड़ी खरीदने का अग्रिम उन कर्मचारियों को दिया जाएगा जो श्रेणी-1 का पद पर हैं और जिनका मूल वेतन प्रतिमाह रु० 4,230 या इससे अधिक है। मोटर साइकिल/स्कूटर और मोपेड खरीदने के लिए अग्रिम सभी कर्मचारियों को दिया जाएगा। जो भी हो सुपात्र मामलों के संदर्भ में अग्रिम मंजूर करने वाले प्राधिकारी इन शर्तों में छूट देने में प्राधिकृत है।

(3) जो कर्मचारी पहले ही वाहन खरीद चुका है और उसके लिए भुगतान कर चुका है, उसे वाहन खरीदने के लिए अग्रिम नहीं दिया जाएगा। बशर्ते कि वह वाहन अग्रिम आवेदन करने की तिथि से 3 महीने के अन्दर ही खरीदा गया हो अस्थायी ऋण लेकर उसका भुगतान कर दिया गया हो।

(4) विनियम 19 में वर्णित प्रावधान को छोड़कर वाहन खरीदने के लिये अग्रिम मंजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि पहले दी गयी अग्रिम की बकाया शेष रकम ब्याज सहित पूर्ण रूप से नहीं चुकायी गयी हो।

(5) मंडल द्वारा विशेष मंजूरी के बगैर पहले मंजूर की गयी अग्रिम की तारीख से लेकर पांच वर्षों के अन्दर नये अग्रिम की मंजूरी नहीं दी जाएगी।

(6) मोटर साइकिल, स्कूटर इत्यादि खरीदने के लिये लिये गये पिछले अग्रिम के बाद पुनः कोई कर्मचारी अब मोटर गाड़ी खरीदने के लिए अग्रिम लेना चाहता है तो पहले लिये गये अग्रिम को ब्याज सहित चुकाना होगा तथा ऐसे मामलों में मंडल की स्वीकृति के बगैर पांच वर्षों के भीतर भी उसे मोटर गाड़ी खरीदने के लिए नया अग्रिम दिया जा सकता है।

(7) मंजूरी के अधिकार :—निम्नलिखित विनियमों के उपबंधों के अनुसार वाहन खरीदने के लिए अग्रिम मंजूर किया जा सकता है—

(क) श्रेणी 1 के पद कर्मचारी के मामले में अध्यक्ष द्वारा

(ख) अन्य मामले के संदर्भ में—उपाध्यक्ष द्वारा।

(8) अग्रिम की रकम: (1) मोटर गाड़ी: मोटर गाड़ी खरीदने के लिए पहली बार कर्मचारी को स्वीकृत रकम अस्सी हजार (रु. 80,000/-) रुपये से अधिक या (35) पैंतीस महीनों का मूल वेतन, या मोटर गाड़ी का प्रत्याशित मूल्य, जो भी न्यूनतम हो। यदि कर्मचारी द्वारा मोटर गाड़ी के लिए भुगतान किया गया वास्तविक मूल्य अग्रिम की रकम से कम है तो उसे बाकी रकम मंडल को शीघ्र वापस करना होगा।

(9) अग्रिम की प्रमाणा: मोटर गाड़ी खरीदने के लिए दूसरी बार या बाद में दी गयी अग्रिम राशि की प्रमाणा रु. 80,000/- (अस्सी हजार रुपये तक) प्रतिबंधित की गयी है। अग्रिम से खरीदी गयी पहली मोटर गाड़ी की बिक्री पर प्राप्त लाभ को घटाकर शेष राशि या खरीदी जाने वाली मोटर गाड़ी की कीमत या कर्मचारी के पैंतीस महीने का मूल वेतन इनमें से जो भी कम हो, नहीं दिया जाएगा।

इस विनियम के अंतर्गत "लाभ" का अर्थ है पोर्ट ट्रस्ट से लिये गये अग्रिम द्वारा खरीदी गयी पहली कार की बिक्री से प्राप्त लाभ।

मोटर गाड़ी खरीदने के लिए दूसरी बार या बाद के अग्रिम के लिए पिछले अग्रिम लेने की तारीख के संगणन से, बार वर्ष बीत जाने के बाद ही स्वीकार किया जाता है।

निम्नलिखित मामलों में ये प्रतिबंध लागू नहीं होंगे—

(क) जब मोटर साइकिल खरीदने के लिए पहले ही अग्रिम की मंजूरी की जा चुकी है परंतु मोटर गाड़ी खरीदने के लिए अग्रिम लेना चाहता हो।

(ख) यदि कोई कर्मचारी विदेश में उसकी तैनाती/प्रतिनियुक्ति या एक वर्ष से अधिक लिए प्रशिक्षण हेतु बाहर जाने से पहले ही भारत में अपनी मोटर गाड़ी बेच देता है और बगैर मोटर गाड़ी के भारत लौट आता है।

(ग) कोई कर्मचारी यदि किसी नियमित पद के लिए विदेश में नियुक्त हो जाता है और अपने साथ अपनी मोटर गाड़ी नहीं ले जाता है।

नियमित पद का कर्मचारी यदि एक वर्ष से अधिक के लिए बाहर प्रशिक्षण/प्रतिनियुक्ति पर जाता है और अन्यथा भी वह इन विनियमों के अंतर्गत मोटर गाड़ी अग्रिम प्राप्त करने का हकदार है तो उसे उपर्युक्त विनियमों अनुज्ञेय अग्रिम दो किस्तों में दिया जाएगा, पहली किस्त बाहर मोटर गाड़ी खरीदने के समय पर और दूसरी किस्त उसकी पदावधि पूर्ण होने के बाद भारत में लाई गई मोटर गाड़ी के लिए सीमाशुल्क भुगतान करने के समय पर दिया जाएगा।

(2) मोटर साइकिल इत्यादि:—मोटर साइकिल/स्कूटर मोपेड खरीदने के लिए पहला अग्रिम रु. 13,000/- (केवल तेरह हजार रुपये) से अधिक नहीं होगा या कर्मचारी के दस महीनों का वेतन अथवा खरीदी जाने वाली मोटर

साइकिल/स्कूटर/मोपेड का प्रत्याशित मूल्य जो भी इनमें से कम हो।

मोटर साइकिल/स्कूटर/मोपेड खरीदने के लिए दूसरी बार या बाद में अनुज्ञेय अग्रिम रु. 13,000/- (केवल तेरह हजार रुपये) से अधिक नहीं होगा। मंडल के ऋण पर खरीदी गयी मोटर साइकिल/स्कूटर/मोपेड की बिक्री पर प्राप्त लाभ से कम या कर्मचारी के दस महीने के वेतन अथवा मोटर साइकिल/स्कूटर/मोपेड का प्रत्याशित मूल्य जो भी कम है, यदि कर्मचारी द्वारा अदायगी किये गये वाहन का वास्तविक दर अग्रिम से कम है तो, शेष रकम उसे मंडल को तत्काल वापस करना होगा।

नोट-1: इस विनियम में अभिव्यक्त "वास्तविक मूल्य" में बिक्री कर और ऐसे मदों जैसे अतिरिक्त व्हील, टायर और ट्यूब या स्कूटर की पिछली सीट इत्यादि की लागत शामिल है जिस पर खरीदार का कोई विकल्प नहीं होगा। जो भी हो गाड़ी में रखा गया डिजियो, प्लास्टिक कवर, जैसे उपसाधन आदि इसमें नहीं हैं और ग्राहक द्वारा अपनी इच्छा पर खरीदी जाती है जो गाड़ी के लिए आवश्यक नहीं है। वाहन का बीमा और पंजीकरण प्रभार भी वास्तविक मूल्य में शामिल नहीं किया जाएगा।

नोट-2: इस विनियम में प्रयुक्त "वास्तविक मूल्य" में पहली क्रय के समय उपस्थित निम्नलिखित मदें भी शामिल होंगी।

(i) खरीदते समय संबंधित कर्मचारी के कार्य स्थल तक परिवहन प्रभार, चाहे परिवहन वितरक द्वारा किया गया हो अथवा कर्मचारी द्वारा स्वयं, इससे पोर्ट को कोई संबंध नहीं और (ii) चुंगी प्रभार, अगर हो तो उसके कुल भुगतान करने पर।

10. ब्याज: इन विनियमों के अंतर्गत सरकारी सेवकों को अनुज्ञेय वाहन अग्रिम पर केन्द्र सरकार द्वारा निर्णीत दर पर मामूली ब्याज प्रभारित किया जायेगा। ऐसा ब्याज प्रत्येक माह के अंतिम दिन में शेष बकाया पर गिना जाएगा।

नोट:—यदि किसी विशेष मामले में अग्रिम यदि एक से अधिक किस्तों में निकलता जाता है तो वसूल करने वाली दर पहले निकाली गई किस्त की तारीख को देखते हुए निश्चित किया जाएगा।

11. अग्रिम के लिए आवेदन फार्म:—वाहन खरीदने के लिए अग्रिम आवेदन पत्र इन विनियमों के अनुबंध-2 में निर्णीत फार्म में करना होगा।

12. अग्रिम की वसूली:—(i) किसी कर्मचारी को मंजूर किये गये अग्रिम को ऐसी संख्याओं में या उसके बराबर महीनेवार किस्तों में उसकी इच्छा के मुताबिक वसूल किया जाएगा। परंतु अग्रिम मोटर गाड़ी खरीदने के लिए प्रदान करने पर उसकी संख्या 150 से अधिक नहीं होगी और मोटर साइकिल इत्यादि खरीदने के लिए अग्रिम प्रदान करने पर यह 100 से अधिक नहीं होगी यदि कर्मचारी चाहते हैं तो रकम को कम अवधि में भी चुका सकते हैं।

अग्रिम के पुर्नभुगतान के संदर्भ में अंतिम किश्त को छोड़कर बाकी किश्तों पर एक जैसी होंगी ऐसी किश्त को निश्चित करने और पैसों को सम्मिलित करते हुये शेष वसूली करना अपेक्षित हो तो आखिरी किश्त की रकम को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

(3) असाधारण मामलों में महीनेवार किश्तों की रकम को परिवर्तित करने के लिए अग्रिम मंजूर करने वाला प्राधिकारी सक्षम है, बशर्ते कि अग्रिम की पूरी रकम निविष्ट किश्तों की संख्या में वसूल की जाएगी जो अग्रिम को चुकाने के लिए प्रारम्भ में निश्चित की गयी थी।

(4) अग्रिम रकम की वसूली, अग्रिम देने के उपरांत प्रथम वेतन-अवकाश वेतन या निर्वाह भत्ता, मामले के अनुसार, के बाद से वसूल करना शुरू किया जाएगा।

13. ब्याज की वसूली: (1) विनियम-9 के अंतर्गत किये गये गणन के अनुसार ब्याज की रकम को महीनेवार किश्तों की न्यूनतम संख्या में वसूल किया जाएगा, ऐसी प्रत्येक किश्त की रकम विनियम ii के अंतर्गत निश्चित की गयी रकम से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(2) ब्याज की वसूली वाहन खरीदने के लिए दिए गये अग्रिम देने के तुरंत बाद आने वाले महीने से शुरू की जाएगी।

14. विक्रय या स्थानांतरण: अग्रिम मंजूरी करने वाले सक्षम प्राधिकार की पूर्व अनुमति के बगैर, कर्मचारी जब तक अग्रिम रकम ब्याज सहित पूर्णतः नहीं चुकाएगा तब तक वह वाहन को बिक्री या स्थानांतरण नहीं कर सकता।

15. वाहन एक महीने में न खरीदने पर अग्रिम की वापसी: एक महीने के अंदर वाहन नहीं खरीदने पर अग्रिम वापस देना होगा। स्वीकृत किसी कर्मचारी को वाहन खरीदने के लिए अग्रिम देने पर यदि वह वाहन खरीदकर अग्रिम लेने की तारीख से एक महीने के अंदर वाहन का भुगतान भी कर देता है तो उस हालत में एक महीने के लिए उसे ब्याज सहित उस अग्रिम की पूरी रकम मंडल को तुरंत लौटानी होगी।

नोट-1: विनियम-7 से निविष्ट की गयी इस अवधि को विशेष मामलों के संदर्भ में मंजूरदाता प्राधिकारी इस विनियम में निर्धारित एक महीने की अवधि को दो महीने तक बढ़ा सकता है।

नोट-2: यदि कोई कर्मचारी, महीने से पहले ही अग्रिम की पूरी रकम वापस कर देता है तो उस कर्मचारी से अग्रिम रकम रखने की वास्तविक अवधि तक ही ब्याज की वसूली की जाएगी।

16. करार और बंधपत्र: किसी कर्मचारी को वाहन खरीदने के लिए मंजूर की गयी अग्रिम रकम का भुगतान करने से पहले अगर इन विनियमों के उपनियम (1) के अंतर्गत अग्रिम मंजूर करने पर इस विनियम के अनु-

लग्नक-3 में निर्धारित फार्म में एक करारनामा निष्पादित करना होगा, यदि उसे विनियम-6 के उप-विनियम (1) के अंतर्गत या नियम 6 के उप नियम 3 के अंतर्गत मंजूरी प्रदान की गयी है तो अनुलग्नक-4 में निर्धारित पत्र में वाहन खरीदने के तुरंत बाद ही परन्तु एक महीने के बाद नहीं, अनुलग्नक-5 या अनुलग्नक-6 में निर्धारित फार्म में इन विनियमों के अनुसार मोटर गाड़ी या मोटर साइकिल इत्यादि के लिए माट्रगेज के रूप में मामले के अनुसार मंडल के पास अग्रिम हेतु सुरक्षा के रूप में एक बंधपत्र रखना होगा।

17. बंधपत्र समय पर निष्पादित नहीं करने पर ब्याज सहित अग्रिम तुरंत लौटाना होगा। जो कर्मचारी अग्रिम लेकर समय पर बंधपत्र निष्पादित नहीं करता तो ऐसी हालत में अग्रिम की पूरी रकम ब्याज सहित तुरंत लौटानी होगी जब तक कि वह उसके लिए उचित और पर्याप्त कारण दिखाकर इस मामले में निर्धारित अवधि को बढ़ाने की इजाजत सक्षम प्राधिकार से प्राप्त नहीं करता।

18. पहले की अग्रिम और ब्याज लौटाने से पूर्व दूसरी या अनुवर्ती अग्रिम प्रदान करने की शर्तें: यदि कोई कर्मचारी सक्षम प्राधिकार से अनुमति मिलने पर अग्रिम की रकम और उस पर ब्याज को पूर्णतः लौटाने से पहले दूसरा वाहन खरीदने के लिए यदि पहले वाले वाहन को विक्रय करने से प्राप्त आय दूसरा वाहन खरीदने के लिए पर्याप्त नहीं होने पर प्राधिकार निम्नलिखित शर्तों पर कर्मचारी को दूसरा अग्रिम मंजूर कर सकता है।

(क) खरीदे जाने वाले नये वाहन के लिए पहले खरीदे गये वाहन की बिक्री से प्राप्त रकम का प्रयोग करना होगा।

(ख) नई मोटर गाड़ी खरीदने के लिए दूसरी बार प्रदान की गई अग्रिम राशि खरीद की जाने वाले वाहन के मूल्य और ब्याज सहित पिछली बकाया लौटा देने के उपरान्त कर्मचारी के पास शेष विक्रय आय के बीच की भिन्नता के बराबर राशि निम्नलिखित सौलिंग शर्तों पर मंजूर की जा सकती है—मंडल से ऋण पर ऋण को गयी मोटर गाड़ी की बिक्री पर प्राप्त लाभ से मिलकर रु. 80,000 से कम होने पर (केवल अस्सी हजार रुपये) अथवा खरीदे जाने वाली मोटर गाड़ी के मूल्य या कर्मचारी के बीस महीने के वेतन, इनमें से जो भी न्यूनतम हो।

बशर्ते कि मोटर साइकिल/स्कूटर/मोपेड खरीदने के लिए दूसरी अनुवर्ती अवसर पर दी गयी अग्रिम रकम खरीदे जाने वाले वाहन के मूल्य और ब्याज सहित पहले का बकाया लौटा देने के बाद कर्मचारी के पास शेष विक्रय

आय की भिन्नता के बराबर होना चाहिए और मंडल के ऋण पर खरीदी गयी मोटर साइकिल स्कूटर/मोपेड की बिक्री पर प्राप्त लाभ से कम व्याज सहित निम्नलिखित सीलिंग पर रु. 13,000 (केवल तेरह हजार रुपए) या कर्मचारी का दस महीने का वेतन अथवा मोटर साइकिल/स्कूटर/मोपेड का प्रत्याशित दर, में से जो भी कम हो, मंजूर की जा सकती है।

(ग) अग्रिम की वसूली, पूर्व-निश्चित की गयी किशतों की संख्या के अनुसार ही किया जाएगा।

(घ) खरीदे गये नये मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल आदि मंडल के नाम पर बीमा और बंधक करना होगा।

(ङ) एक नई बंधपत्र को परिशोधित देय रकम के लिए मंडल को निष्पादित करना होगा, पेशगी मूलतः पेशगी की गयी रकम के लिए नहीं।

19. भुगतान के लिए निर्धारित की गयी अधिकतम अवधि के अंदर ही सेवा निवृत्त देय कर्मचारियों के मामलों में प्रतिबंधन : यदि किसी कर्मचारी को अग्रिम दिया गया है जो विनियम-11 के अंतर्गत इसकी भुगतान के लिए निर्धारित अवधि के भीतर सेवा-निवृत्त हो जाता है तो ऐसी हालत में अग्रिम को व्याज सहित चुकाने के लिए किशतों की संख्या को ऐसे नियमित किया जाएगा कि कर्मचारी की सेवा निवृत्ति या सेवा समाप्ति जैसा भी मामला है, से पहले पूरा हो सका।

20. अग्रिम निकासी की तारीख : (क) किसी कर्मचारी द्वारा लेखा विभाग से चैक स्वीकार करने की तारीख से ही नीचे बताये गये प्रयोजनों के लिए अग्रिम निकासी की तारीख समझा जाएगा।

(i) अग्रिम भुगतान के लिए पहला किशत की वसूली विनियमन-ii का उप विनियम (4) देखें।

(ii) कार्य की समाप्ति और मोटर गाड़ी या मोटर साइकिल इत्यादि के क्रय की समाप्ति (विनियम 14 देखिए)।

(iii) व्याज की गिनती (विनियम 9 देखिए)।

(ख) कोई कर्मचारी जो भारत वर्ष में छुट्टी पर है और उसके लिए अग्रिम मंजूर किया गया है तो वह छुट्टी की कालावधि, समाप्ति होने की तारीख से एक महीने से पहले अग्रिम नहीं ले सकता।

21. वैयक्तिक अग्रिम का विवरणात्मक लेखा : लेखा अधिकारी वैयक्तिक अग्रिमों के लेखा विवरण रखेगा और उनकी वसूली और प्रत्येक अग्रिम के साथ संलग्न शर्तें पूर्ण रूप से हैं या नहीं आदि की देख-रेख करेगा।

22. बंधपत्र की अभिरक्षा और निपटान : बंधपत्र को लेखा अधिकारी की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा जाएगा। देय व्याज सहित पूरा अग्रिम चुकाने पर लेखा अधिकारी उस बंधपत्र पर उस परिणाम को पृष्ठांकित कर तत्संबंधित विभाग द्वारा उसे कर्मचारी को लौटा देगा।

23. साइकिल खरीदन के लिए अग्रिम : (i) किसी कर्मचारी को अनुलग्नक-8 में एक आवेदन पत्र रखने पर साइकिल खरीदने के लिए अग्रिम मंजूर किया जा सकता है—बशर्ते है कि नया साइकिल खरीदने के लिए अग्रिम की रकम रु. 700/- (सात सौ रुपये) और सैंकेण्ड हैण्ड साइकिल खरीदने के लिए रु. 400/- (चार सौ रुपये) से अधिक नहीं होगी और उक्त साइकिल की बिक्री करसहित प्रत्याशित मूल्य के लिए प्रतिबंधित होगा। यदि कर्मचारी द्वारा भुगतान की गयी साइकिल का वास्तविक मूल्य उसे मंजूर की गयी अग्रिम से कम होने पर बकाया रकम मंडल को तुरन्त वापस करना होगा।

(ii) ऐसी रकम को विनियम 12 में निर्धारित की गयी पद्धति के अनुसार बराबर महीनेवार 25 किशतों में (25 किशतों से ज्यादा नहीं) वसूल किया जाएगा।

(iii) विनियम-10 के अनुसार गणना की गयी व्याज की रकम विनियमन-13 में निर्धारित की गयी विधि के अनुसार वसूल किया जाएगा।

2. यदि किसी कर्मचारी को मूल नियुक्ति के बिना साइकिल खरीदने का अग्रिम प्रदान किया जाता है और अग्रिम की राश और उसका व्याज पूर्णतः चुकाने से पहले ही यह मंडल की सेवा से मुक्त हो जाता है तो जहां तक हो सके शेष रकम को देय कर्मचारी की वेतन और भत्ता से समायोजित किया जाएगा। उसके बाद कुछ रकम चुकाना बाकी रहने पर कोई जमानत है तो उनसे तुरन्त वसूल किया जाएगा।

24. निर्वचन : यदि इन विनियमों के किसी भी उपबंधों के निर्वचन के संबंध में (निरूपण) कोई सवाल उठता है तो इसे भारत सरकार को भेज दिया जाएगा जिसका निर्णय अंतिम होगा।

25. निरसन और बचत : (i) इन विनियमों के प्रारम्भ के पहले प्रत्येक नियम, विनियम, संकल्प या आदेश जो इसके शुरुआत से पहले लागू हैं अब तक इन विनियमों में निहित किसी भी मामले के लिए प्रबन्ध की गयी हो तो ये सब रद्द हो जाएंगे।

(ii) यद्यपि परिचालन की ऐसी शर्त के होते हुए भी पहले के किसी नियम, विनियम, संकल्प या आदेश के अंतर्गत कुछ किया गया या कोई कार्रवाई ली गयी तो इन विनियमों के उपबंधों के संचालन के अंतर्गत ही करना होगा।

26. इन विनियमों के लागू करने में केन्द्र सरकार के नियमों/आदेशों का अनुसरण करना होगा। इन विनियमों के उपबंधों से असंगत और समय-समय पर मंडल द्वारा जारी किये गये अपवाद और अशोधन की शर्त पर पूर्ववर्ती विनियमों को लागू करने में और विनियमों से असंबंधित मामलों में केन्द्र सरकार के सामान्य वित्तीय नियम और समय-समय पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेश/आदेशों का अनुसरण करना होगा।

एम. पी. रामचन्द्र रेड्डी, सचिव

विशाखापणनम पोर्ट ट्रस्ट विशाखापणनम

अनुलग्नक-1

(विनियम 1 देखिए)

प्रतिभूबंध-पत्र प्रारूप

यह सबको ज्ञात हो कि मैं जो का पुत्र और जिला का निवासी हूँ और इस समय में स्थाई पद पर के रूप में नियोजित हूँ) जिसे इसमें आगे "प्रतिभू" कहा गया है), विशाखापट्टणम के विशाखापट्टणम पोर्ट के न्यासी के मंडल के प्रति (जिसे इस में आगे "मंडल" कहा गया है), इस में आगे उल्लिखित ब्याज सहित रु० की रकम तथा सब खर्चा और उन सब प्रभावों और व्ययों को जो मंडल को करना या उठाना पड़े मंडल को अदा करने के लिए वचन बद्ध हूँ और दृढ़ता पूर्वक आबद्ध हूँ। यह संदाय पूर्णतः और सही रूप में करने के लिए मैं अपने को अपने वारिस, निष्पादक, प्रशासक तथा प्रतिनिधियों के इस विलेख से दृढ़ता पूर्वक आबद्ध करता हूँ। इस के साक्ष्य के मैं आज दि एक हजार नौ सौ और को इस पर हस्ताक्षर करता हूँ।

मंडल ने (उधार लेने वाले का नाम) को का पुत्र और जिले में का निवासी हूँ और इस समय में स्थाई रूप में के पद पर नियोजित है (जिसे इसे आगे उधार लेने वाला कहा गया है) उधार लेने वाले की प्रार्थना (प्रयोजन) के लिए रु० का अग्रिम देने का करार किया गया है। उधार लेने वाले में उक्त रकम को विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (वाहन खरीदने के लिए अग्रिम मंजूरी) विनियम 1993 की अधीन विहित दर और रीति से अग्रिम दिये जाने के दिन से उस पर लगाये गये ब्याज या उसकी रकम का उतने भाग पर जितना भाग इस समय देय हो परन्तु जिस का भुगतान न किया गया हो, के अन्तर्गत दरों से लगाये गये ब्याज सहित समान मासिक किस्तों में लौटाने का वचन बद्ध किया है।

उधार लेने वाले को पूर्वोक्त अग्रिम देने के लिए मंडल द्वारा करार प्रतिफल स्वरूप, प्रतिभू ने उपर्युक्त बंधपत्र, नीचे लिखी शर्तों पर निष्पादित करने का करार किया है।

उक्त बंध पत्र की शर्त यह है कि यदि उधार लेने वाला में नियोजित रहने के दौरान, मंडल को देना पूर्वोक्त रु० (केवल रु० की रकम उस पर पूर्वोक्त रीति से लगाये गये ब्याज सहित या उस रकम के उतने भाग तक जितना उस समय देय हो, किन्तु जिस का संदाय नहीं किया गया हो, मंडल उधारों के लिए नियत और बालू मंडल दरों से अग्रिम की तारीख से उक्त रकम का सम्यक और नियमित रूप से किस्तों में संदाय करना है या कराता है तो यह बंधपत्र शून्य हो जायेगा। अन्यथा यह पूर्णतः प्रवृत्त रहेगा।

किन्तु यदि उधार लेने वाला मर जाता है या दिवालिया हो जाता है या किसी समय मंडल की सेवा से नहीं रहता है या रु० (केवल रु०) का उक्त पूरा मूलधन या उस पर जितना भाग देय हो जाता है तथा उक्त मूलधन पर देय ब्याज या अग्रिम को तारीख से पूर्वोक्त रीति से लगाया जाएगा, मंडल को तुरन्त लौटाने और देय हो जाएगा और इस बंधपत्र के आधार पर प्रतिभू से एक किस्त में वसूल किया जाएगा।

प्रतिभू ने जो वाध्यता स्वीकार की है वह मंडल द्वारा समय बढ़ाया जाने या उस उधार लेने वाले के प्रति अन्य उधारता बढ़ने जाने के कारण न उन्मोचित होगी और न किसी प्रकार प्रभावित होगी, चाहे ऐसा प्राधिकार की जानकारी या महमति से किया गया हो या नहीं।

उक्त से
पर यह
..... 19 पर हस्ताक्षरित

और सुगुई किया गया।

प्रतिभू के हस्ताक्षर)

.....

.....

(पदनाम) से संबंधित कार्यालय)

(1)

(2) के समक्ष में।

गवाही के हस्ताक्षर, पता और व्यवसाय।

मंडल के लिए और मंडल की ओर से स्वीकार किया गया।

अनुलग्नक-II

(विनियम-2 देखिए)

मोटरगाड़ी/मोटर साइकिल खरीदने के लिए अग्रिम का आवेदन पत्र

1. आवेदक का नाम
2. आवेदक का पदनाम
3. वाहन/मोटरगाड़ी भत्ता के लिए हकदार है, और यदि है तो मासिक दर:
4. वेतन:
 - (1) मौलिक वेतन
 - (2) स्थानापन्न वेतन या अस्थायी पद पर निकाली गई वेतन:
 - (3) विशेष/वैयक्तिक वेतन:
5. मोटरगाड़ी/मोटरसाइकिल इत्यादि का अनुमानित मूल्य (वैकल्पिक उपमाधन तथा बीमा एवं पंजीकरण प्रभार)
6. अपेक्षित अग्रिम की राशि:
7. निवर्तन या सेवा निवृत्ति की तारीख:
8. अग्रिम चुकाने के लिए इच्छुक किस्तों की संख्या:
9. इसी प्रयोजन के लिए पहले अग्रिम लिया गया है? यदि लिया है तो:
 - (क) अग्रिम निकालने की तारीख
 - (ख) अग्रिम की रकम और/या उस पर अब भी बाकी ब्याज:
10. क्या खरीदने का आशय है।
 - (क) नई मोटरगाड़ी/मोटर साइकिल इत्यादि।
 - (ख) यदि पुरानी मोटरगाड़ी/मोटर साइकिल इत्यादि खरीदने का अभिप्राय होने पर क्या यह पता लगाया है कि मोटरगाड़ी/मोटरसाइकिल बीमा कराने के लिए स्वीकार किया गया है।

11. अग्रिम निकालने की तारीख से एक महीने के अन्दर मोटरगाड़ी/मोटर साइकिल का परिदान कर सकते हैं। क्या इसके बारे में बातचीत या प्रारंभिक पूछ-ताछ किया गया है?

12. (क) प्रमाणित किया जाता है कि दी गई सूचना पूर्ण और सत्य है।

(ख) प्रमाणित किया जाता है कि मैंने मोटर कार/मोटरगाड़ी आदि की सुपुर्वगी नहीं किया है। जिसके लिए मैंने अग्रिम का आवेदन किया है कि मोटर कार/मोटरगाड़ी इत्यादि खरीदने की बातचीत या अपने हाथ में लेने का कार्य अग्रिम निकालने की तारीख से एक महीना बीतने से पहले पूरा करने और इसका परिदान करने की तारीख से इस का बीमा कराऊंगा।

आवेदक के हस्ताक्षर

तारीख :

अनुलग्नक III

(विनियम 16 देखिए)

मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल आदि खरीदने का अग्रिम निकालने के समय निष्पादित करने का करार फार्म

यह करार एक पक्षकार के रूप में के विन एक हजार नौसी पर के बीच के सुपुत्र निवास करता है, जाति विशाखपट्टणम पोर्ट के अन्तर्गत में व्यवसायी सेवाधारी के रूप में नियोजित (जिसे इसमें आगे उधार लेने वाला कहा गया है जिसकी अभिव्यक्ति के एक पक्ष में उसके वारिस, निष्पादक, प्रशमक और विधिक प्रतिनिधि शामिल हैं) और दूसरे पक्ष में विशाखपट्टणम में स्थित उनका कार्यालय विशाखपट्टणम पोर्ट न्यामी मंडल (जिसे इसमें आगे मंडल कहा गया है) है।

उधार लेने वाले ने विशाखपट्टणम पोर्ट कर्मचारी वाहन खरीदने के लिए/अग्रिम अनुदान विनियम, 1993 (जिसे इसमें आगे उक्त नियम कहा गया है, जिसके अन्तर्गत उस नियम का उस समय प्रवृत्त संशोधन भी है) के उपबंध के अधीन मोटर गाड़ी खरीदने हेतु उधार देने के लिए मंडल को आवेदन पत्र दिया है और मंडल उधार लेने वाले को इसमें आगे दिये गये निबंधनों और शर्तों पर उक्त उधार देने के लिए सहमत है। इसके पक्षधारियों के बीच अब यह करार किया जाता है कि उधार लेने वाला मंडल द्वारा उसे दी जाने वाली रु० की रकम (उधार लेने वाली की प्राप्ति पावती इसके साथ है) के फलस्वरूप उस करार में उधार लेने वाला मंडल के साथ सहमत है कि

- (1) उक्त रकम को उक्त विनियम के अनुसार लगाये गये ब्याज सहित मंडल को अपने मासिक कटौतियों से पूरा करेगा जैसा कि उक्त में उपबंधित है और ऐसी कटौतियां करने के लिए मंडल को प्राधिकृत करता हूं।
- (2) उक्त रकम दी जाने की तारीख से एक महीने के भीतर, उक्त मोटर गाड़ी खरीदने के लिए दी गयी उधार की पूरी रकम को मोटर गाड़ी के लिए दिया जाएगा या यदि उसके द्वारा दी गयी वास्तविक कीमत उधार की रकम से कम है तो शेष रकम मंडल को तुरन्त लौटाएगा। और
- (3) उक्त मोटर गाड़ी के लिए उधार लेने वाले को पूर्वोक्त उधार की रकम और ब्याज के लिए प्रतिभूति के रूप में मंडल के पक्ष में गिरवी रखने के लिए उक्त विनियम द्वारा उपबंधित प्रारूप में दस्तावेज का निष्पादन करेगा और अंततः यह करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि यदि उधार लेने वाले को उक्त रकम दी जाने की तारीख से एक मास के भीतर मोटर गाड़ी पूर्वोक्त रूप में खरीदी नहीं जाती है और गिरवी नहीं रखी जाती है या यदि उधार की उस अवधि के भीतर दिवालिया हो जाता है वा मंडल की सेवा छोड़ देता है या मर जाता है तो उधार की पूरी रकम और उस पर लगाया गया ब्याज तुरन्त शोध्य और सदेय हो जाएगा।

इसके साथ स्वस्व उधार लेने वाले और के लिए मंडल की ओर से लिखने से पहले दिन और वर्ष में इस पर अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

के समय उक्त द्वारा हस्ताक्षर किया गया।

(गवाही के हस्ताक्षर)

(उधार लेने वाले का हस्ताक्षर और पदनाम)

..... से हस्ताक्षर किया गया (नाम और पदनाम)
..... कृते और विशाखपट्टणम पोर्ट के न्यासी मंडल की ओर से
के समक्ष

(गवाही के हस्ताक्षर)

(अधिकारी के हस्ताक्षर व पदनाम)

उधार लेने वाले का नाम और पदनाम।

अनुलग्नक-4

(विनियम 16 देखिए)

मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल आदि खरीदने, अग्रिम अनुदान करने के पहले निष्पादित करने का करार फार्म :

यह करार, एक पक्षकार के रूप में जो का सुपुत्र
..... का निवासी विशाखपट्टणम पोर्ट के अंतर्गत नियोजित के रूप में
कार्यरत (जिसे इसमें आगे उधार लेने वाला कहा गया है और इसके वारिस, निष्पादक, प्रशासक और विधिक प्रतिनिधि भी हैं
दूसरे पक्षकार के रूप में विशाखपट्टणम पोर्ट के न्यासी मंडल (जिन्हें इसमें आगे मंडल कहा गया है) और इसके बीच आज तारीख
..... एक हजार नौ सौ और को किया गया है।

उधार लेने वाले ने इसमें निम्नलिखित अनुसूची में वर्णित मोटर गाड़ी (जिसे इसमें आगे
..... उक्त मोटर गाड़ी कहा गया है) खरीद ली है। खरीदने के लिए सहमत है।

उधार लेने वाले ने मोटर गाड़ी खरीदने के लिए विशाखपट्टणम पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी
(वाहन खरीदने के लिए अग्रिम का अनुदान) विनियम 1993 (जिसे इसमें आगे उक्त नियम कहा गया है, जिसके अंतर्गत यह
नियम लागू होने के समय पर प्रवृत्त संगोष्ठन भी शामिल होगा)। उपबंधों के अधीन उधार दिये
जाने के लिए मंडल को आवेदन पत्र दिया है और मंडल ने उधार लेने वाले को इसमें आगे दिये गये निबंधनों और शर्तों पर उक्त
रकम उधार देने के लिए सहमत हो गये हैं इसके पक्षकारों के बीच यह करार किया जाता है कि उधार लेने वाला मंडल द्वारा
उसे दी जाने वाली की रकम (इसके साथ उधार लेने वाले की प्राप्ति पावती है) के फलस्वरूप
मंडल के साथ सहमत होता है कि वह :

(1) उक्त विनियम के अनुसार; ब्याज सहित उक्त रकम मंडल को संदाय अपने वेतन में से प्रतिमास कटौती करने के लिए जैसा कि उक्त में उपबंधित है, और ऐसी कटौतियां करने के लिए मंडल को प्राधिकृत किया जाता है।

(2) उधार लेने वाले को उक्त रकम दी जाने की तारीख से एक मास के भीतर उक्त उधार की पूरी रकम उक्त मोटर गाड़ी खरीदने के लिए किसी प्राइवेट पक्षकार/..... बैंक से उसके

द्वारा प्राप्त किये गये उधार को लौटाने में लगाएगा या यदि उसके द्वारा दी गई वास्तविक कीमत उधार की रकम से कम है तो शेष रकम मंडल को तुरंत लौटा देगा और

(3) उधार लेने वाले को पूर्वोक्त उधार की रकम और ब्याज के लिए प्रतिभूति के रूप में उक्त मोटर गाड़ी मंडल के पक्ष में गिरवी रखने के लिए उक्त नियम द्वारा उपबंधित प्रारूप में दस्तावेज को निष्पादन करेगा। यह करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि यदि उधार लेने वाले को उक्त रकम दी जाने की तारीख से एक मास के भीतर मोटर गाड़ी पूर्वोक्त रूप में खरीदी नहीं जाती और गिरवी नहीं रखी जाती है वह यदि उधार लेने वाला उसे उक्त रकम दी जाने की तारीख से एक मास के भीतर उस उधार की रकम को लौटाने में असफल रहता है जो उगने उक्त मोटर गाड़ी खरीदने के स्पष्ट प्रयोजन के लिए किसी प्राइवेट पक्षकार बैंक से प्राप्त की है या यदि उधार लेने वाला उस अवधि के भीतर दिवालिया हो जाता है या मंडल की सेवा छोड़ देता है या मर जाता है तो उधार की पूरी रकम और उस पर लगाया गया ब्याज तुरंत और संदेय हो जाएगा।

अनुसूची

मोटर का वर्णन
बनाने वाले का नाम विवरण
सिलिन्डर्स की संख्या
इंजन संख्या
चैसिस सं.
लागत मूल्य

इसके साथ ही स्वरूप उधार लेने वाले और के लिए मंडल की ओर से उपर्युक्त लिखित दिन और वर्ष में इस पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

.....

उक्त द्वारा हस्ताक्षर किया गया।

(गवाही के हस्ताक्षर)

(उधार लेने वाले का हस्ताक्षर व पदनाम)

..... से हस्ताक्षर किया (नाम और पदनाम)

.....

विशाखापट्टणम पोर्ट के न्यासी मंडल के लिए और उनकी ओर से समक्ष में

.....

.....

.....

(गवाही का हस्ताक्षर)

(अधिकारी का हस्ताक्षर और पदनाम)

उधार लेने वाले का नाम और पदनाम

अनुलग्नक-5

(विनियम 16 देखिए)

मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल आदि के लिए प्रारम्भिक अग्रिम का बंधक फार्म

यह करार एक पक्षकार के रूप में के धन
 एक हजार नौ सौ और के सुपुत्र में आवास करने
 वाला विशाखापट्टणम पोर्ट में नियोजित व्यवसायी
 के रूप सेवारत (जिसे इसमें आगे उधार लेने वाला कहा गया है और इसके
 अंतर्गत बारिस, निष्पादक, प्रशासक और विधिक प्रतिनिधि भी हैं)। और दूसरा पक्षकार के रूप में विशाखापट्टणम पोर्ट के न्यासी
 मंडल जिनका कार्यालय विशाखापट्टणम में है) जिसे इसमें आगे मंडल कहा गया है) के बीच आज तारीख
 को किया गया है।

उधार लेने वाले ने उधार के लिए आवेदन किया और रुपये का अग्रिम
 विशाखापट्टणम पोर्ट कर्मचारी (बाह्य खरीदने के लिए अग्रिम मंजरी किये 1993 के शर्तों पर)
 (जिसे इसमें आगे उक्त विनियम कहा गया है जिसके अंतर्गत उस नियम के उस समय प्रवृत्त संशोधन भी शामिल होगा) और
 उधार लेने वाले को अग्रिम दी गयी शर्तों पर उधार लेने वाला मोटरगाड़ी मंडल को
 उसे दी गयी उधार रकम के लिए गिरवी रखेगा/रखना पड़गा। और उधार लेने वाले के उक्त मोटर गाड़ी
 खरीदने के लिए दी गयी रकम सुरक्षा के रूप में रखा जाएगा जिसके विवरण यहां पर नीचे लिखे अनुसूची में
 बताया गया है। यह करार इस बात का साक्ष्य है कि उक्त करार के अनुसरण के प्रतिफल में उधार लेने वाला इस करार का
 निष्पादन के रूप में मंडल को रुपये या शेष, इसको प्रस्तुत करने के तारीख तक बाकी अर्धेय रकम
 को ह. समानान्तर भुगतान, जो हर महीने पहले तारीख को बाकी रकम जो इस अधिनियम के
 अनुसार गणन करके ब्याज सहित भुक्तान होगा और उधार लेने वाला महीनेवार कटौतियों की वसूली के लिए सहमत होना चाहिए
 और उक्त करार के अनुसार आगे के अनुसरण के लिए उधार लेने वाला मोटर गाड़ी मंडल के
 नाम पर स्थानांतरित करने के लिए सहमत हो/उक्त अग्रिम और उस पर उत्पन्न ब्याज के लिए उक्त विनियम के अनुसार इसको
 प्रतिभूति के रूप में रखने के लिए लिखित रूप में देना होगा।

उधार लेने वाला यह करार और घोषणा करता है कि उक्त मोटर गाड़ी का पूरा क्रय
 मूल्य चुका दिया है और वह बिल्कुल उसकी अपनी संपत्ति है और उसने गिरवी नहीं रखा है तथा जब तक उक्त अग्रिम का कुछ
 रकम मंडल को चुकाना बाकी हो तब तक यह उसे नहीं बेचेगा, बंधक या सम्पत्ति के साथ भाग करने में अथवा उक्त मोटर गाड़ी
 को धारण करना हमेशा व्यवस्थित है और यह करार किया जाता है और घोषणा की जाती है
 कि उक्त किशोरों में से किसी प्रकार की मूलराशि या ब्याज पूर्वोक्त रीति से उम तारीख के बाद दस दिनों के भीतर नहीं चुकाया
 या/वसूल किया गया अथवा यदि उधार लेने वाला मंडल से या रहते किसी भी समय में भर गया या उधार लेने वाला सम्पत्ति
 के हिस्से को या उक्त मोटर गाड़ी के अधिकारी को बेच देता या बंधक रखता अथवा दिवालिया हो जाता या उसके महाजन से
 किसी प्रकार की कथन या प्रबंधक करता अथवा यदि कोई भी व्यक्ति उधार लेने वाले के विरुद्ध या न्याय किसी फैसले का निष्पादन
 के लिए कार्रवाई करता है, तो ऐसी हालत में बाकी बचा हुआ पूरा मूलधन पूर्वोक्त के अनुसार गणना की गयी ब्याज सहित तुरंत
 संवाय होगा और यह करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि पूर्वोक्त ऐसा कुछ भी होने पर मंडल उक्त मोटर गाड़ी
 और उसके स्वामित्व को ले लेगा और उसको हटाये बगैर या और कोई या तो उसका स्वामित्व रख
 सकता है, उक्त मोटर या तो जनता नीलाम द्वारा या प्राइवेट ठेका द्वारा उसे कोई हटा सकता
 और विक्रय धन में उक्त अग्रिम का अर्धेय के लिए रहे शेष को बनाये रख सकता और उस पर
 गणन की गयी यथा पूर्वोक्त प्रकार के वय ब्याज और अनुरक्षण प्रतिरक्षा के लिए बनाये गये ठीक तरह से प्राप्त सभी लागत, प्रभार,
 व्यय और भुगतान अथवा यहां नीचे लिखे उसके अधिकार को छोड़ देता है यदि उधार लेने वाले के कुछ भी अधिशेष हैं तो उन्हें
 भुगतान करने उसके निष्पादक प्रशासक या व्यक्तिगत प्रतिनिधि बशर्ते है कि आगे पूर्वोक्त अधिकार पाने का अथवा उक्त मोटर
 गाड़ी को उधार लेने वाले के लिए प्रार्थना मंडल अधिकार के लिए प्रवृत्ति नहीं
 होगा अथवा बचे हुए देय की उक्त शेष के लिए और ब्याज या मोटर गाड़ी बेच देने के
 मामले में रकम से जिससे शुरू विक्रय आय कर्ज रकम से कम है और उधार लेने वाली आगे

इससे सहमत होता है कि वह उक्त मोटर गाड़ी को नष्ट होने या नाश करने का उच्चतर
 डिग्री पर बिगाड़ने की अनुशा नहीं देगा जबकि यह ठीक प्रकार से बिगाड़ा और क्षतिग्रस्त हो सकता है और आगे उक्त मोटर
 गाड़ी को किसी भी प्रकार की क्षतिपूर्ति या दुर्घटना होने के समय उधार लेने वाले को तुरंत उसकी
 मरम्मत कराके ठीक करवाना होगा।

अनुसूची

मोटर गाड़ी का वर्णन
बनाने वाला का नाम
वर्णन
सिलेण्डरों की संख्या
इंजिन संख्या
चैसिस संख्या
लागत मूल्य
उक्त (उधार लेने वाले के नाम) से गवाही में
और मंडल के लिए, के ऊपर या को ओर से प्रथम उपरोक्त लिखित दिन और
वर्ष पर हस्ताक्षर किया गया
उक्त से हस्ताक्षरित
के समक्ष में :
1.
2. (उधार लेने वाले के हस्ताक्षर और पदनाम)
विशाखापट्टनम पोर्ट न्यासी मंडल के लिए और को ओर से निम्न के समक्ष
1.
2. (अधिकारी के हस्ताक्षर और पदनाम)
(गवाही के हस्ताक्षर)
उधार लेने वाले का नाम और पदनाम

अनुसूचक 6

(वित्तियम 16 देखिए)

मोटरगाड़ी/मोटर साइकिल इत्यादि का बंधक/बंध पत्र ब्याज सहित पूर्व अग्रिम लौटाने पर दूसरी अग्रिम

..... एक पक्षकार के रूप में पर श्री के सुपुत्र जिसे इस में आगे "उधार लेने वाला कहा गया है" जिसके अंतर्गत जब तक विषय अथवा प्रसंग से अपवर्जित या उसके विरुद्ध नहीं है, उसके वारिस, निष्पादक, प्रशासक और विधिक हैं और दूसरे पक्षकार के रूप में विशाखापट्टनम पोर्ट न्यासी मंडल (जिसे इसमें आगे मंडल कहा गया है) जिनका कार्यालय विशाखापट्टनम में है, के बीच आज तारीख को यह करार किया गया है।

उधार लेने वाला बंधक करार द्वारा मोटरगाड़ी/मोटर साइकिल आदि अनुसूची में वर्णित (जिसे इसमें आगे मंडल है पुरानी "मोटरगाड़ी/मोटर साइकिल कहा गया है) जो मोटरगाड़ी/मोटरसाइकिल आदि की प्रतिभूति के लिए मोटरगाड़ी/मोटरसाइकिल आदि का क्रय से अग्रिम रु. (शब्दों में तथा अंकों में) दर पर ब्याज सहित और उक्त करार बंधक में कही गयी शर्तों पर जिन्हें आगे 'मुख्य कागजात' कहा गया है उसे मंडल को बंधक रखा गया है। मंडल द्वारा उधार लेने वाले को रु. का उक्त अग्रिम रकम में कुछ अंश चुका दिया है और रु. (रुपये शब्दों और अंकों में) बिलेख के शर्तों के अनुसार मूलधन और उस पर ब्याज सहित चुकाने वाला है और उधार लेने के लिए मंडल को संदाय है। और उधार लेने वाले को यदि नई मोटरगाड़ी/मोटर साइकिल आदि की आवश्यकता है

(जिसे इसमें आगे बताये मोटर/गाड़ी मोटर साइकिल आदि को बिक्री करने के लिए मंडल को आवेदन पत्र रखा और पुरानी मोटर गाड़ी को बेचकर विनावापट्टनम पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी विनियम की शर्तों (वाहत खरीदने के लिए अग्रिम मंजूरी) (विनियम 1993) जिसे इसमें आगे उक्त विनियम कहा गया है जिसके अंतर्गत उस नियम के उस समय में प्रवृत्त कोई संशोधन या अतिरिक्त भी शामिल होगा।

इस शर्त पर कि नई मोटरगाड़ी मोटर साइकिल आदि उधार लेने वाले अथवा रकम को चुकाने हेतु और रु.
.....विलेख के शर्तों पर देय मूलधन के लिए मंडल को प्रतिभूति के रूप में बंधक रखा है।

यह करार इस बात का साक्षी है कि उक्त करारनामे के अनुसरण में और पूर्वोक्त विचार के लिए उधार लेने वाला मंडल को रु. पूर्वोक्त समान्तर मासिक किश्तों में रु. प्रत्येक मास के पहले दिन में और मूल रूप से उसे दी गयी अग्रिम का ब्याज जिसे इसमें आगे मूलधन जिसे नियमों के अनुसार मूलधन कहा गया है उसे मंडल को चुकाने के लिए सहमत है और उधार लेने वाला ऐसे भुगतान उसके वेतन में से मासिक कटौतियों को उक्त विनियमों में व्यवस्थित किये गये तरीके से वसूल करने के लिए है और आगे उक्त करार के अनुसरण में उधार लेने वाला मोटर/गाड़ी मोटर साइकिल आदि उक्त अग्रिम और उस पर ब्याज प्रतिभू के लिए जिनके विवरण यहां पर नीचे लिखी अनुसूची में बताये गये हैं उसके अनुसार मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल को सुपुर्द करने/स्थानान्तरण करने के लिए सहमत है) और उधार लेने वाला सहमत हो तो और घोषणा करता है कि उक्त मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल जो बिल्कुल उसकी संपत्ति है और वह जमानत नहीं रखा है तथा जब तक मूलधन का किसी प्रकार का रकम चुकाना बाकी है तब तक उसे नहीं बेचेगा, जमानत नहीं रखेगा या उक्त मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल आदि की संपत्ति के या स्वामित्वकरण में भाग लेगा, सर्वथा प्रदत्त और यह सहमत एवं घोषणा की जाती है कि यदि उधार लेने वाला उक्त मूलधन का किसी भी किश्त या ब्याज उसको चुकाने की तारीख के बाद से दस दिनों के अंदर उक्त तरीके से नहीं चुकाता है या वह मर जाता है अथवा किसी समय मंडल सेवा से निकाल दिया जाता है या उधार लेने वाला उक्त मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल या संपत्ति या उसके अभिग्रहण कर देता है या उसे बेचना या जमानत पर रखना इत्यादि करता है, अथवा दिवालिया हो जाता है या अपने कर्जदारों में किसी प्रकार के प्रबन्ध या करार करता है और यदि कोई व्यक्ति कानूनी निष्पादक के कार्य या उधार लेने वाले का मूलधन पर उक्त अनुसार गयाना की गयी ब्याज सहित चुकाये जाने वाली शेष रकम के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करता है और इसके साथ वह सहमत होकर घोषणा की जाती है कि उपर्युक्त किसी घटना की संभावना होने पर उक्त मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल आदि को मंडल द्वारा सीज किया जा सकता है, और यह किसी चीज को निकालने के बिना पोजीशन में रह सकता या उसको निकालकर उक्त मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल आदि नीलामी या प्राइवेट ठेके द्वारा बेचा जा सकता है और बाकी मूलधन और चुकाने वाली बाकी ब्याज और साथ में सभी प्रकार के लागत प्रभार व्यय और भुगतान नियत रूप में या उसके अधिकारों की प्रतिरक्षा का प्रबन्ध करने हुए इस पर किसी प्रकार का मूल्यहास होने पर उधार लेने वाले को, उसके निष्पादकों, प्रशासकों या वैयक्तिक प्रतिनिधि को दिया जाएगा या अगर मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल आदि बेचने के बाद उसके नाम पर रखी गयी रकम से कम होने पर उधार लेने वाला आगे इसमें भी सहमत होता है कि यह मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल आदि ध्वंस या धातक या पूर्णतः नष्ट होने पर इस मोटर गाड़ी/मोटर साइकिल आदि को दुर्घटना या ध्वंस होने के कारण हुए मरम्मतों को ठीक करवाने सही ढंग में रखने की जिम्मेदारी भी उधार लेने वाले पर ही होगी।

अनुसूची

मोटर का वर्णन
बनाने वाले का नाम
वर्णन
सिलेंडरों की संख्या
इंजिन की संख्या
चैसिस संख्या
सागत मूल्य

बंधक रखने वाला/उधार लेने वाले के गवाही में उनके और श्री..... के कार्यालय में..... श्री..... के कार्यालय में..... उनके लिए और उनकी ओर से उक्त द्वारा..... निम्नलिखित के समय हस्ताक्षर किया गया।

1.

2.

(गवाही के हस्ताक्षर)

(उधार लेने वाले के हस्ताक्षर और पदनाम)

1.

2.

से हस्ताक्षर किया गया

(नाम और पदनाम)

विशाखापट्टनम पोर्ट न्यासी मंडल के लिए और की और से निम्न के समक्ष

1.

(गवाही के हस्ताक्षर)

(अधिकारी के हस्ताक्षर और पदनाम)

उधार लेने वाले का नाम और हस्ताक्षर

अनुलग्नक—7

विशाखापट्टनम पोर्ट ट्रस्ट

साइकिल खरीदने के लिए अग्रिम का आवेदन पत्र

रोजगार सं.

पदनाम

1. पूरा नाम

2. आवेदित की गयी रकम

रु.

3. नियुक्ति की तारीख

4. स्थायी/स्थायीवित/अस्थायी:

स्थायी/स्थायीवित/अस्थायी

घोषणा :

साइकिल खरीदने के लिए अग्रिम के लिए आवेदन पत्र रखते समय मैं यह घोषित करता हूँ कि :

(क) मैं वास्तविक अग्रिम देने के उपरान्त आने वाले इस महीने से 24 किस्तों में पूरी रकम चुका दूंगा साथ-साथ मैं इसमें भी सहमत हूँ कि इस पर निष्पादित ब्याज और समय-समय पर उधार और अग्रिम में निर्दिष्ट रकम को भी चुकाऊंगा।

(ख) साइकिल के लिए भुगतान की गयी अग्रिम रकम में से कोई भी अधिशेष मेरे पास उपलब्ध हैं तो उसको तुरन्त वापस कर दूंगा।

(ग) मुझे स्पष्ट रूप से मालूम है कि मेरे वेतन से साइकिल अग्रिम पर कटने वाली किसी प्रकार की कटौतियां को मैं स्थगित नहीं कर सकता।

(घ) मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि कार्यालय के मुख्यालय से मेरा आवास गृह 8 कि.मी. की दूरी पर है।

(ङ) मैं सहमत हूँ कि अग्रिम से खरीदी गयी साइकिल को मंडल की संपत्ति समझा जाएगा और जब तक इस का अग्रिम ब्याज सहित नहीं चुका दिया जाता तब तक मैं इसे बंधक नहीं रखूंगा, नहीं बेचूंगा।

(च) व्यापारी से या साइकिल खरीदने वाले पार्टी से अग्रिम मंजूरी के 15 दिनों के भीतर ही मूल रसीद प्रस्तुत करूंगा ऐसा नहीं करने पर साइकिल अग्रिम की पूरी रकम मेरी वेतन से वसूल करने का हक मंडल को है।

(छ) मैंने पिछले दो सालों के भीतर साइकिल अग्रिम नहीं लिया है।

(ज) मेरे पास स्थित साइकिल जो पूर्व अग्रिम की सहमत से खरीदी गयी है अब उपयोग में लाने लायक नहीं है/उसके बारे में मंजूरी प्राधिकारी के सामने संतोषजनक गवाही के साथ एक विवरण संलग्न किया है।

—अनुभाग :

—विभाग :

आवेदक के हस्ताक्षर

आवास का पूरा पता

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Port Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd January, 1994

G.S.R. 1(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (i) of Section 124, read with Sub-Section (i) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the "Visakhapatnam Port Employees" (Grant of advances for purchase of conveyances) Regulations, 1993 made by the Board of Trustees for the Port of Visakhapatnam, and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said Regulations shall come into force on the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

[No. PR-12015/14/91-PE-I]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

VISAKHAPATNAM PORT TRUST

NOTIFICATION

G.S.R. .—In exercise of the powers conferred by section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Visakhapatnam hereby makes the following Regulations:

1. Short title and commencement.—These Regulations may be called the Visakhapatnam Port Employees (Grant of Advances for purchase of conveyances) Regulations, 1993.

They shall come into effect from the date of publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these Regulations, unless the context otherwise requires:—

- (a) "Accounts Officers" means the Financial Adviser and Chief Accounts Officer of the Visakhapatnam Port Trust.
- (b) "Board", "Chairman", "Deputy Chairman" and "Head of Department" shall have the same meanings as assigned to them respectively in the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963).
- (c) "Class-I post" shall mean any of the following:
 - (a) All posts of Heads of Departments.
 - (b) All posts carrying pay or scale of pay (excluding of allowances), the maximum of which is Rs. 4,230 per month or more.
 - (c) Any other posts not covered by (a) and (b) above especially declared to be Class-I posts by the Board.
- (d) "Conveyance" means Motor Cars, Motor Cycle, Scooter, Moped and Bicycle.
- (e) "Pay" means the amount as defined in rule 9(21)(a) of the Fundamental Rules drawn monthly by an employee excluding allowances and any other emoluments specially classified as pay by the Visakhapatnam Port Trust for the purpose of this rule.
- (f) "Employee" means an employee of the Board.

3. Extent of Application.—(1) All Employees appointed to the services or posts, under the Board shall be eligible to an advance under these Regulations.

(2) These Regulations shall not apply to:—

- (a) Persons in Casual or Part-time employment.
- (b) Persons on deputation from the Central or a State Government or any other source;
- (c) Persons employed on contract except when the contract provide otherwise;
- (d) Temporary employees who do not substantively hold an appointment under the Board except as provided for under Regulation 4.

4. Advance to temporary employees.—An advance may be granted to an employee for the purchase of a conveyance who is not confirmed, but, if it is certified by his Head of Department that he is likely, in due course, to be absorbed in a permanent cadre under the Board, provided that the said employee furnished along with his application a surety bond in the form prescribed in Annexure-I to these Regulations from an employee holding a substantive appointment under the Board and having a Status comparable to or higher than that of the employee who applies for the advance.

5. Advance not to be granted to employee under suspension.—Notwithstanding anything contained in regulation 6, an advance for the purchase of a conveyance shall not be granted to an employee who is under suspension and, if an advance has already been sanctioned to him before he was placed under suspension, the payment of such advance shall not be made to him during the period of his suspension.

6. Conditions of Eligibility.—(1) An employee may be granted an advance for the purchase of a conveyance if his duties involve travelling and if the authority competent to sanction the advance is satisfied that the possession of a conveyance would be useful to the employee in the discharge of his official duties and that the employee has the capacity to repay the advance and maintain the conveyance in good running condition.

(2) The advance for the purchase of a motor car shall be granted to those employees holding Class-I post whose basic pay is in the scale the maximum of which is Rs. 4230 per month or more. The advance for purchase of Motor Cycle/Scooter and moped shall be granted to all the employees. The authority competent to sanction this advance may, however, relax this condition in deserving cases.

(3) An advance for the purchase of a conveyance shall not be granted to an employee who has already purchased the conveyance and paid for it, unless it had been purchased within a period of three months commencing from the date of the advance was applied for, and has been paid for by raising a temporary loan.

(4) An advance for the purchase of a conveyance shall not, except as provided in regulation 19, be sanctioned unless the outstanding balance in respect of an advance previously granted for the same purpose, together with interest thereon, has been fully repaid.

(5) A fresh advance shall not be granted within five years from the date of the grant of the previous sanction except with the special sanction of the Board.

(6) A fresh advance may be granted within five years from the date of the grant of the previous advance, without the special sanction of the Board, in case the previous advance was for the purchase of a Motor Cycle, Scooter etc., but the employee desires to draw a fresh advance for the purchase of a Motor Car and the previous advance with interest thereon has been fully repaid.

7. Powers of sanction.—An advance may be sanctioned for the purchase of a conveyance in accordance with the provisions of these regulations:—

- (a) In the case of an employee holding a Class I Post, by the Chairman;
- (b) In any other case, by the Dy. Chairman.

8. Amount of advance.—Motor Car: The total amount of advance which may be granted to an employee for the purchase of a Motor Car for the first occasion shall not exceed eighty thousand rupees, or thirty five months basic pay of the employee or the anticipated price of the Motor Car, whichever is the least. If the actual price of the Motor Car paid by the employee is less than the amount of advance, he shall refund the balance to the Board forthwith.

9. The quantum of advance that may be granted on the second or subsequent occasions for the purchase of a Motor Car shall be restricted to Rs. 80,000 (Rupees eighty thousand only) less the profit earned on the sale of the previous car purchased with advance or thirty five months basic pay of the employee on the price of Motor Car to be purchased

whichever is the least. The expression "Profit" used in this regulation means the excess of the sale proceeds of the previous Car purchased with advance taken from Port Trust over the purchase price paid by the employee.

Such second or subsequent advances for the purchase of a Motor Car will be admissible only after four years, reckoned from the date of drawal of the last advance, have lapsed.

Provided that this restriction of 4 years shall not apply in the following cases :

- (a) Where an advance had been, allowed earlier for the purchase of a Motor Cycle but it is desired to draw the advance for the purchase of Motor Car.
- (b) Where an employee disposes of his Motor Car in India prior to his posting abroad or deputation/training abroad lasting more than one year and returns to India without a Motor Car.
- (c) Where an employee is appointed to a regular post abroad and does not take his Motor Car along with him.

An employee holding regular post or on training/deputation abroad for period exceeding one year who is otherwise eligible for the grant of Motor Car advance under these regulations may be granted an advance admissible to him in the above sub-regulations in two instalments first at the time of purchase of the car abroad and the second at the time of payment of customs duty on the car brought in India on completion of his tenure.

(2) Motor Cycle etc. :

First advance for the purchase of Motor Cycle/ Scooter/ Moped shall not exceed Rs. 13,000 (Rupees thirteen thousand only) or ten months pay of the employee or the anticipated price of the Motor Cycle/Scooter/Moped to be purchased, whichever is the least.

Second or subsequent advance for the purchase of a Motor Cycle/Scooter/Moped shall not exceed Rs. 13,000 (Rupees thirteen thousand only) less the profit earned on sale of the Motor Cycle/Scooter/Moped purchased on Board's loan or ten months pay of the employee or anticipated price of the Motor Cycle/Scooter/Moped to be purchased whichever is the least. If the actual price of the conveyance, paid by the employee is less than the amount of advance, he shall refund the balance to the Board forthwith.

NOTE.—In this Regulation the expression 'actual price' includes sales tax and the cost of such items, e.g., spare wheel, tyre and tubes or a pillion seat in a scooter, on the purchase of which the purchaser has no choice. It does not, however, cover the cost of certain accessories, e.g. radio in a Car, plastic covers, which are not essential and are purchased by the customer of his own volition, insurance and registration charges of the vehicles are also not included in 'actual price'.

NOTE 2.—The expression 'actual price' used in this Regulation shall also cover in the case of first purchase, the following items :—

- (i) The cost of transportation of the Conveyance upto the place of the duty of employee concerned at the time of purchase irrespective of whether the transport is arranged by the distributors or by the employee himself ; and
- (ii) The octroi charges if any actually paid.

10. Interest.—Simple interest at the rates fixed by the Central Government from time to time in respect of advances made by it to Government servants for the purchase of conveyance shall be charged on advances granted to employee for the purchase of conveyance, under these Regulations. Such interest shall be calculated on the balance outstanding on the last day of each month.

NOTE.—If in any particular case an advance is drawn in more than one instalment the rate of interest recoverable should be determined with reference to the date on which the first instalment is drawn.

11. Form of Application for Advance.—Application for advance for the purchase of a conveyance shall be made in the form prescribed in Annexure-II to these Regulations.

12. Recovery of Advance.—(1) The amount of advance granted to an employee shall be recovered from him in such number or equal monthly instalments as he may elect, but such number shall not be more than 150 if the advance is granted for the purchase of a Motor Car and shall not be more than 100, if the advance is granted for the purchase of Motor Cycle, etc. it shall be open to the employee to repay the amount in a shorter period, if they so desire.

(2) Each instalment an account of repayment of an advance except the last one shall be a number of whole Rupees, the amount of last instalment being raised or lowered; if necessary to admit of fixation of such instalment and recovery of the balance including any fraction of a rupee.

(3) The authority competent to sanction an advance may, in exceptional cases, vary the amount of monthly instalments provided that the whole amount of advance is completely recovered in the number of instalments not exceeding that initially fixed for repayment of the advance.

(4) The recovery of the amount of advance shall commence with the first issue of pay, leave salary or subsistence allowance as the case may be, after the advance is drawn.

13. Recovery of Interest.—(1) The amount of interest calculated under Regulation 9 shall be recovered in the minimum number of monthly instalments, the amount of each such instalment being not more than the amount of the instalment fixed under Regulation 11.

(2) The recovery of interest shall commence from the month immediately followed that in which the repayment of the advance for the purchase of a conveyance is completed.

14. Sale of Transfer.—Except with the prior permission of the authority competent to sanction an advance an employee shall not sell or transfer the conveyance so long as the amount of advance together with interest on such amount is not completely repaid.

15. Advance to be refunded if the conveyance is not purchased within one month.—Unless an employee who is sanctioned an advance for the purchase of a conveyance completes the purchase of and pays for, the conveyance within one month from the date on which he draws the advance, he shall refund to the Board forthwith the full amount of the advance together with interest on that amount for one month.

NOTE 1.—The sanctioning authority as specified in Regulation 7 may, in exceptional cases, extend the period of one month prescribed in this regulation to two months.

NOTE 2.—Where an employee refunds the full amount of the advance before the end of the month in which the payment of the advance was made to him, the interest may be recovered for the actual period the advance was retained by the employee.

16. Agreement and mortgage Bond : A Employee shall before the payment is made to him of the advance sanctioned for the purpose of purchasing a conveyance, execute an agreement in the form prescribed in Annexure-III to these Regulations, if the advance is granted to him under Sub-Regulation (1), of Regulation 6 or in the form prescribed in Annexure-IV to these Regulations, if the advance is granted to him Under Sub-Regulation (3) of Regulation 6. Immediately on completing, but not later than one month from the date of the purchase of a conveyance he shall also execute a mortgage bond in the form prescribed in Annexure-V and or Annexure VI as the case may be, to these Regulations, hypothecating the motor Car, or Motor Cycle etc. to the Board as Security for the advance.

17. Advance with interest to be refunded forthwith when mortgage bond is not executed in time :—The failure to execute mortgage bond in time will render the employee who has taken the advance liable to refund forthwith the whole of the amount of advance with interest accrued unless good and sufficient reason is shown to the contrary and the autho-

rity competent to sanction an advance extends the period prescribed in this regard.

18. Condition for grant of a second or subsequent advance before the earlier advance and interest has been repaid :— When an employee is permitted, by the authority competent to sanction an advance, to sell a conveyance, before the amount of advance and the interest thereon is fully repaid, in order to purchase another conveyance, that authority may, if the sale proceeds of the previous conveyance are not sufficient to purchase another, sanction a second advance to the employee subject to the following conditions :—

- (a) The entire sale proceeds of the previous conveyance shall be applied towards the purchase of the newly purchased conveyance;
- (b) the amount of advance that may be granted on a second or subsequent occasion for the purchase of a Motor Car shall be equal to the difference between the price of the Vehicle to be purchased and the sale proceeds left over with the employee after the repayment of earlier outstanding advance, including interest, subject to the following ceiling :—

Rs. 80,000 (Rupees eighty thousand only) less the profit earned on the sale of the motor car purchased on Board's loan, or twenty months pay of the employee of the price of the motor car to be purchased whichever is the least :

Provided further that the amount of advance that may be granted on the second or subsequent occasion for the purchase of a Motor Cycle|Scooter|Moped, shall be equal to the difference between the price of the vehicle to be purchased and the sale proceeds left over with the employee after the repayment of the earlier outstanding advance, including interest, subject to the following ceiling :—

Rs. 13,000/- (Rupees thirteen thousand only) less the profit earned on the sale of the Motor Cycle|Scooter|Moped purchased on Board's loan or ten months pay of the employee or anticipated price of the Motor Cycle|Scooter|Moped, whichever is the least.

- (c) The recovery of the advance shall continue to be made within the same number of instalments previously fixed;
- (d) The newly purchased Motor Car|Motor Cycle etc. shall be insured and mortgaged to the Board;
- (e) A fresh Mortgage bond shall be executed in favour of the Board for the revised amount due and not for the amount originally advanced.

19. Restrictions in case of employee due to retire within maximum period prescribed for payment :—If any advance is granted to an employee who is due to retire within the maximum period prescribed for its repayment under Regulation 11, the number of instalments shall be so regulated that the repayment of advance with interest, if any, is completed before retirement, or termination of service, as the case may be.

20. Date of drawal of Advance :—(a) The date of the employee taking the payment accepting cheque from the Accounts Department shall be deemed to be the date of drawal of an advance for the undermentioned purposes :—

- (i) Recovery of first instalment towards repayment of the advance [vide Sub-Regulation (4) of Regulation (II)].
- (ii) Completion of the negotiations and purchase of the Motor Car or Motor Cycle etc. (vide Regulation 14).

(iii) Calculation of interest (vide Reg. 9).

(b) An employee who is on leave in India and for whom an advance has been sanctioned will not be allowed to draw the advance earlier than one month before the date of expiry of leave.

21. Detailed accounts of individual Advances :—The Accounts Officer shall maintain detailed accounts of individual advance, watch their recovery and see that the conditions attached to each advance are fulfilled.

22. Custody and disposal of mortgage Bond :—The mortgage bond shall be kept in the safe custody of the Accounts Officer. On repayment of the advance in full together with the interest due thereon, the Accounts Officer shall make an endorsement to that effect on the bond and return the same to the employee through the concerned departments.

23. Advance for purchase of a Bicycle :—(1) Any employee, may be granted an advance for the purchase of a bicycle, on an application in Annexure-VIII.

Provided that :

- (i) The amount of such advance shall not exceed Rs. 700 (Rupees seven hundred only) for the purchase of a new bicycle and Rs. 400/- for the purchase of a second hand bicycle as the case may be and shall be restricted to the anticipated price inclusive of sales tax, of the said bicycle. If the actual price of the bicycle paid by the employee is less than the amount of the advance sanctioned, he shall, refund the balance to the Board forthwith.
- (ii) The amount of such advance shall be recovered in the manner prescribed in Regulation 12 in equal monthly instalments not exceeding 25.
- (iii) The amount of interest calculated under Regulation 10 shall be recovered in the manner prescribed in Regulation 13.

(2) If an employee without a substantive appointment, is granted an advance for the purchase of a bicycle, but ceases to be in Board's service before the amount of the advance and the interest thereon is completely repaid, the balance shall, to the extent possible, be adjusted against the pay and allowances due to the employee. Any amount, as then remains unpaid, shall be recovered forthwith from the Surety, if any.

24. Interpretation :—If any question arises, relating to the interpretation of these regulations, it shall be referred to the Board who shall decide the same.

25. Repeal and Savings :—(1) On the commencement of these regulations, every rule, regulation, resolution or order in force immediately before such commencement shall, in so far as it provides for any of the matter contained in these Regulations, cease to operate.

(2) Notwithstanding such condition of operation anything done or any action taken under any previous rule, regulation, resolution or order shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these regulations.

26. Central Government Rules orders to be followed in application of these Regulations :—In applying the foregoing regulations and in respect of matters not dealt with in these regulations, the General Financial Rules of the Central Government and the instructions/orders issued by the Central Government from time to time, shall be followed in so far as they are not in consistent with the provisions of these regulations, subject to such exceptions and modifications as the Board may from time to time determine.

Sd/-

Secretary,

Visakhapatnam Port Trust
Visakhapatnam

ANNEXURE—1

(See Regulation-4)
(FORM OF SURETY BOND)

Know all men by these presents that I _____ son of _____ residing at _____ in the district of _____ at present employed as a permanent in the _____ (hereinafter called "the Surety") and held and firmly bound unto the Board of Trustees of the Port of Visakhapatnam (hereinafter called "the Board") in the sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) with interest as hereinafter specified and all costs and all charges and expenses that shall or may have been incurred by or occasioned to the Board for which payment to be well and truly made I hereby bind myself, my heirs, executors, administrators and representatives firmly by these presents. In witness where of I have signed this bond this _____ Day of _____ one thousand nine hundred and _____

Whereas the Board has agreed to grant to _____, son of _____ at resident of _____ in the district of _____ at present employed at temporary _____ in the _____ (hereinafter called "the borrower") at the borrower's own request an advance of Rs. _____ (Rupees _____ only), for the _____ and whereas the Borrower has undertaken to repay the said amount in _____ equal monthly instalments with interest as calculated at the rate and in the manner prescribed under regulation _____ of the Visakhapatnam Port Trust Employees (Grant of Advances for purchase of Conveyances) Regulations, 1993 thereon or so much thereof as shall for the time being remain due and unpaid from the day of the advance.

And whereas in consideration of the Board having agreed to grant the aforesaid advance to the Borrower the Surety has agreed to execute the above bond with such condition as is hereunder written.

Now, the condition of the above written Bond is that if the said Borrower shall, while employed in the said _____ duly and regularly pay or cause to be paid to the Board the amount of the aforesaid advance owing to the board by instalment with interest as calculated in the aforesaid manner thereon or on so much thereof as shall for the time being remain due and unpaid from the day of the advance until the said sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) with interest as calculated in the aforesaid manner shall be duly paid, then this Bond shall be void otherwise the same shall be and remain in full force and virtue

But so nevertheless that of the Borrower shall die or become insolvent or at any time cease to be in the service of the Board, the whole or so much of the said principle sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) thereof as shall then remain unpaid and the interest due on the said principle sum calculated in the aforesaid manner from the day of the advance shall immediately become due and payable to the Board and be recoverable from the surety in one instalment by virtue of this bond.

The obligation undertaken by the surety shall not be discharged or in any way affected by an extension of time or any other indulgence granted by the Board of the said Borrower whether with or without the knowledge or consent of the Surety.

Signed and delivered

by the said _____
at _____
this _____
of _____

(Signature of Surety)

(Designation)

Office to which attached _____
in the presence of :

(i) _____

(ii) _____

Signature, Address and Occupation of the

Witnesses :

(1)

(2)

ACCEPTED

for and on behalf of the Board.

ANNEXURE II

(See Regulation II)

APPLICATION :

APPLICATION FORM FOR ADVANCE FOR THE PURCHASE OF MOTOR CAR/MOTOR CYCLE ETC.

1. Name of the Applicant :
2. Applicant's designation :
3. Whether entitled to conveyance/Motor-car allowance and if so, the rate per mensem :
4. Pay :
 - (i) Substantive Pay
 - (ii) Officiating pay or pay drawn in temporary post
 - (iii) Special/personal pay
5. Anticipated price of motor-car/motor cycle etc. (excluding the cost of optional accessories and insurance and registration charges) :
6. Amount of advance required :
7. Date of superannuation or retirement :
8. Number of instalments in which the advance is desired to be repaid :
9. Whether advance for similar purpose was obtained previously and if so :
 - (i) date of drawal of advance
 - (ii) the amount of advance and/or interest thereon still outstanding, if any
10. Whether the intention is to purchase :
 - (a) a new or an old motor-car/Motor-Cycle etc.,
 - (b) If the intention is to purchase an old Car/Motor Cycle etc., whether it has been ascertained that the Car, Motor Cycle etc., will be accepted for insurance.
11. Are any negotiations or preliminary enquiries being made so that delivery may be taken of the Motor Car/Motor Cycle etc. within one month from the date of drawal of the advance?
12. (a) Certified that the information given is complete and true
- (b) Certified that I have not taken delivery of the Motor-Car/Motor Cycle etc. on account of which I apply for the advance that I shall complete negotiation for the purchase of, pay finally and take possession of the motor-car/Motor Cycle etc. before the expiry of one month from the date of drawal of the advance, and that I shall insure it from the date of taking delivery of it.

(_____)

Applicant's Signature

Date :

Place :

11 GI/94—4

ANNEXURE-III

(See Regulation 16)

FORM OF AGREEMENT TO BE EXECUTED AT THE TIME OF DRAWING AN ADVANCE FOR THE PURCHASE OF MOTOR-CAR OR MOTOR CYCLE ETC.

An Agreement made on _____ day of _____ one thousand nine hundred and _____ between _____ son of _____ residing at _____ by case _____ by occupation _____ service holder being employed under the Visakhapatnam Port as _____ (hereinafter called the Borrower) which expression shall include his heirs, administrators, executors and legal representative of the One part and the Board of Trustees of the Port of Visakhapatnam having their office at Visakhapatnam (hereinafter called the Board) of the other Part.

Whereas the borrower has under the provisions of the Visakhapatnam Port Trust Employees (Grant of Advances for Purchase of Conveyances) Regulations, 1993 (hereinafter referred to as the said Regulations which expression shall include any amendments thereof for the time being in force), applied to the Board for a loan of Rs. _____ for the purchase of a motor _____ and whereas the Board has agreed to lend the said amount to the Borrower on the terms and conditions hereinafter contained now it is hereby Agreed between the parties hereto that in consideration of the sum of Rs. _____ paid by the Board to the borrower (the receipt of which the Borrower hereby Acknowledges) the Borrower hereby Agrees with the Board (1) to pay the Board the said amount with interest, calculated according to the said Regulations by monthly deductions from his salary as provided in the said Regulations and hereby authorised the Board to make such deductions, and (2) within one month from the date of these presents to extend the full amount of the said loan in purchase of a motor _____ or if the actual prices paid is less than the loan to repay the difference to the Board forthwith, and (3) to execute a documents hypothecating the said motor _____ to the Board as security for the amount lent to the Borrower as aforesaid and interest in the form provided by the said Regulations and it is hereby lastly Agreed and Declared that if the Motor _____ has not been purchased and hypothecated as aforesaid within one month from the date of these presents or if the Borrower within that period becomes insolvent or quits the service of the Board or dies, the whole amount of the loan and interest accrued thereon shall immediately become due and payable.

In witness whereof the Borrower and _____ for and on behalf of the Board have here-unto set their hands the day and year first before written.

*Signed by the said in the presence of _____

(Signature of Witness)

(Signature and designation of the Borrower)

Signed by (name and Designation) _____

for and on behalf of the Board of Trustees of the Port of Visakhapatnam in the presence of _____

(Signature of Witness)

(Signature and designation of the Borrower)

*Name and designation of the Borrower. _____

ANNEXURE-IV

(See Regulation 16)

FORM OF AGREEMENT TO BE EXECUTED BEFORE DRAWING AN ADVANCE FOR THE PURCHASE OF A MOTOR-CAR/MOTOR CYCLE ETC.

An Agreement made on _____ day of _____ one thousand nine hundred and _____ between _____ son of _____ residing at _____ by occupation service holder being employed under the Visakhapatnam Port as _____

(hereinafter called the Borrower which expression shall include his heirs, executors, administrators and legal representatives) of the One Part and the Board of Trustees of the Port of Visakhapatnam (hereinafter called the Board) of the other part.

Whereas the Borrower has purchased/agreed to purchase the motor-----described in the schedule hereunder written (hereinafter referred to as the said Motor-----".)

And whereas the Borrower has under the provisions of the Visakhapatnam Port Trust Employees (Grant of advances for purchase of Conveyances) Regulations, 1993 (hereinafter referred to as the said Regulations which expression shall include any amendments thereof for the time being in force), applied to the Board for a loan of Rs.-----for the purchase of a motor-----and whereas the Board has agreed to bond the said amount to the Borrower on the terms and conditions hereinafter contained. Now it is hereby Agreed between the parties hereto that in consideration of the sum of Rs-----paid by the Board to the Borrower (the receipt of which the borrower hereby acknowledges) the borrower hereby agrees with the Board (i) to repay to the Board the said amount with interest calculated according to the said Regulations by monthly deductions from his salary as provided in the said Regulations and hereby authorises the Board to make such deductions and (2) within one month from the date of these presents to expend the full amount of the said loan in the repayment of any loan obtained by him from a private party/the----- (bank) for the purchase of the said motor-----or if the actual price paid is less than the loan to repay the difference to the Board forthwith, and (3) to execute a documents hypothecating the said motor-----to the Board as security for the amount lent to the Borrower as aforesaid the interest in the form provided by the said Regulations and in it is hereby lastly Agreed the Declared that if the Motor-----has not been purchased and hypothecated as aforesaid within one month from the date of these presents or if the Borrower fails to repay the amount of the loan obtained by him from a private party----- (bank) for the express purpose of purchasing the said motor-----within one month from the date of these presents or if the Borrower within that period becomes insolvent or quits the service of the Board or dies the whole amount of the loan and interest accrued thereon shall immediately become due and payable.

THE SCHEDULE

Description of Motor-----

Maker's Name :

Description

Number of Cylinders :

Engine No.

Chasis No. :

Cost price :

In witness whereof the Borrower and-----for and on behalf of the Board have hereinto set their hands the day and year first above written .

Signed by the said in the presence of.

(Signature of witness)

(Signature and designation of the
Borrower)

Signed by (name and designation)

for and on behalf of the Board of
Trustees of the Port of Visakhapatnam in
presence of

(Signature of witness)

(Signature and designation of the
officer)

*Name and Designation of the Borrower.

ANNEXURE—V

(See Regulation 16)

FORM OF MORTGAGE BOND FOR MOTOR CAR/MOTOR CYCLE ETC.
INITIAL ADVANCE

This Indenture made this.....day of.....
one thousand nine hundred and.....between.....son
of.....residing at.....by occupation service holder being
employed under the Visakhapatnam Port as(hereinafter called "the Borrower" which expression shall include his heirs, administrators, executors and legal representatives) of the one Part and the Board of Trustees of the Port of Visakhapatnam having their office at Visakhapatnam (Hereinafter called "the Board") of the Other Part.

Whereas the Borrower has applied for and has been granted an advance of Rupees.....
to purchase a Motor.....on the terms of regulations.....of
the Visakhapatnam Port Trust Employees (Grant of Advances for purchase of conveyances) Regulations, 1993
(hereinafter referred to as the said Regulations which expression shall include any amendment thereof or addition
thereto for the time being in force) and whereas one of the conditions upon which the said advance has been/was
granted to the Borrower is/was that the Borrower will/would hypothecate the said Motor.....of
the Board is security for the amount lent to the Borrower and whereas the Borrower has purchased with or partly
with the amount so advanced as aforesaid the Motor particulars whereof are set out in the schedule here under
written.

Now this Indenture witnesseth that in pursuance of the said agreement and for the consideration aforesaid
the Borrower doth hereby covenant to pay to the Board the sum of Rupees.....
aforesaid or the balance, thereof remaining unpaid at the date of these presents by equal payments of Rupees...
.....each on the first day of every month and will pay interest on the sum for the time
being remaining due and owing calculated according to the said Regulations and the Borrower doth agree that such
payment may be recovered by monthly deductions from his salary in the manner provided by the said Regulations
and in further pursuance of the said agreement the Borrower doth hereby assign and transfer unto the Board the
Motorthe particulars whereof are set out in the schedule hereunto written by way of security for the
said advance and the interest thereon as required by the said Regulations.

And the Borrower doth hereby agree and declare that he has paid in full the purchase price of the
said Motorand that the same is his absolute
property and that he has not pledged and so long as any money remains payable to the Board in
respect of the said advance will not sell, pledge or part with the property in or possession of the said Motor.....
.....provided always and it is hereby agreed and declared that if any of the said instal-
ments of principal or interest shall not be paid or recovered in manner aforesaid within ten days after the same due
or if the Borrower shall die at any time cease to be in Board's service or if the Borrower shall sell or pledge part
with the property in or possession of the said Motor.....or become insol-
vent or make any imposition or arrangement with his creditors or if any person shall take proceedings in execution
of any decree or judgement against the Borrower the whole of the said principal sum which shall then be remaining
due unpaid together with interest thereon calculated as aforesaid shall forthwith become payable and it is hereby
Agreed and declared that the Board may on the happening, of any of the events hereinbefore mentioned seize and
take possession of the said Motor.....and either remain in possession thereof without
removing the same or else may remove and sell the said Motor.....either by public auction
or private contract and my out of the sale moneys retain the balance of the said advance then remaining unpaid
and any interest due thereon calculated as aforesaid and all costs, charges, expenses and payment properly incurred
or made in maintaining, defending or realising his rights hereunder and shall pay over the surplus, if any to the
Borrower his-executors administrators or personal representatives provided further that the aforesaid power
taking possession or selling of the said Motor.....shall not prejudice the
right of the Board to see the Borrower or his personal representatives for the said balance remaining due and interest
or in the case of the Motor.....being sold the amount by which the net sale
proceeds fall short of the amount owing and the Borrower hereby further agrees that he will not permit or suffer
the said Motor.....to be destroyed or injured or to deteriorate in a greater
degree than it would deteriorate by reasonable wear and tear thereof and further that in the event of any damage
or accident happening to the said Motor.....the Borrower will
forthwith have the same repair and made good.

SCHEDULE

Description of Motor.....

Make's Name:

Description:

Number of cylinders:

Engine No.:

Chasis No.:

Cost Price:

In witness whereof the said.....(Borrower's name) and..... for
and on behalf of the Board have hereunto set their respective hands the day and year first above written.

*Signed by the said

In the presence of

(1).....

(2).....

(Signature of Witnesses)

(Signature and designation
of the Borrower)

Signed by (name and designation)

for and on behalf of the Board of Trustees of the Port of Visakhapatnam in the presence of

(1).....

(2).....

(Signature of Witnesses)

(Signature and designation
of the officer)

*Name and designation of the Borrower.

ANNEXURE—VI

(See Regulation—16)

FORM OF MORTGAGE BOND FOR MOTOR CAR/MOTOR CYCLE ETC., SECOND ADVANCE
WHEN EARLIER ADVANCE WITH INTEREST FULLY REPAYED

This indenture made this.....day ofbetween
Shri.....Son of
hereinafter called "the Borrower" which expression shall unless excluded by or repugnant to the subject or context,
include his heirs, administrators, executors and legal representatives of the one part and the Board of Trustees
of the Port of Visakhapatnam having their office at Visakhapatnam (hereinafter called the "Board") of the other
part.

Whereas by a Deed of Mortgage dated.....day of..... the Borrower mortgaged to the Board the Motor-Car, Motor Cycle etc. described in the schedule thereto (hereinafter referred to as the old "Motor car, Motor Cycle" etc.) to secure the Motor Car/Motor Cycle etc. purchase advance of Rs.....(in words as well as in figures) with interest at the rate and on conditions mentioned in the said Deed of Mortgage hereinafter referred to as the "Principal Deed".

And whereas out of the said of Rs.....advanced to the Borrower by the Board the Borrower has made part repayments and a sum of Rs.....(in words as well as in figures) towards principal plus interest thereon as per the terms of the principal Deed still remain due and payable by the Borrower to the Board.

And whereas the Borrower being in need of new Motor-Car/Motor cycle etc., (hereinafter referred to as the Motor-Car/Motorcycle etc.) applied to the Board for permission to sell his old Motor Car/Motor Cycle etc., and purchase a new one and whereas the Borrower has been permitted to sell the old Motor Car/Motor Cycle etc. and utilise the sale proceeds of the old Motor-Car and in terms of regulation of the Visakhapatnam Port Trust Employees (Grant of Advances for purchase of conveyances) Regulations, 1993 (hereinafter referred to as the said "Regulations" which expression shall include any amendment thereof or addition thereto for the time being in force) towards the purchase of the new Motor-Car/Motor Cycle etc., etc., on condition that the new Motor-Car, Motor Cycle, etc., shall be mortgaged to the Board by way of security for the repayment of the sums thus due and owing from the borrower to Board. And whereas the sum of Rs.-----is now due from the Borrower from principal and whereas the Borrower is liable in addition to pay interest as per the terms of the principal deed.

Now this indenture witnesseth that in pursuance of the said agreement and for the consideration aforesaid the Borrower doth hereby consent to pay to the Board the sum of Rs.-----aforesaid by equal monthly instalments of Rs.-----each of the first day of every month and will pay interest on the sum of Rs.-----originally advanced to him hereinafter referred to as the principal according to the terms of the principal Deed and the Borrower doth agree that such payments may be recovered by monthly deductions from his salary in the manner provided by the said Regulations, and in further pursuance of the said agreement the Borrower doth hereby assign and transfer upto the Board the Motor Car/Motor Cycle, etc., the particulars whereof are set out in the schedule hereunder written by way of security for the said advances and the interest thereon as required by the Regulations.

And the Borrower doth hereby agree and declare that he has paid in full the purchase price of the said Motor car/Motor Cycle etc., that the same is his absolute property and that he has not pledged and so, long as any money remain payable to the Board in respect of the principal will not sell, pledge or part with the property in or possession of the said Motor-car/Motor cycle etc., provided always and it is hereby agreed and declared that if any of the said instalments of principal or interest shall not be paid or recovered in manner aforesaid within ten days after the same are due or if the Borrower shall die or at any time cease to be in Board's service or if the Borrower shall sell or pledge or part with the property in or possession of the said motor-car/motor cycle etc., or become insolvent or make any composition or arrangement with his creditors or if any person shall take proceedings in execution of any decree of judgement against the Borrower the balance of the principal which shall then be remaining due and unpaid together with interest on principal calculated as aforesaid shall forthwith become payable and it is hereby agreed and declared that the Board may on the happening of any of the events herein-before mentioned seize and take possession of the said Motor-car/Motor Cycle etc., and either remain in possession thereof without removing the same or else may remove and sell the said Motor-car/Motor Cycle etc., either by public auction or private contract and may out of the sale moneys retain the balance of the principal then remaining unpaid and any interest still due the principal calculated as aforesaid and all costs, charges expenses and payments properly-----or made to maintaining/defending or realising his rights hereunder and shall pay over the surplus, if any, to the Borrower, his executors, administrators or personal representatives provided further that the aforesaid power of taking possession or selling of the said Motor-Car/Motor Cycle shall not prejudice the right of the Board, to sue the borrower or his personal representatives for the said balance remaining due and interest or in the case of the Motor-car/Motor cycle etc., being sold the amount by which the net sale fall short of the amount owing and the Borrower hereby further agrees that he will not permit or suffer the said Motor car/Motor cycle etc., to be destroyed or injured or to deteriorate in a greater degree than it would deteriorate by reasonable wear and tear thereof and further that in the event of any damage or accident happening to the said Motor car/Motor cycle etc., the Borrower will forthwith have the same repaired and made good.

SCHEDULE

Description of Motor _____
 Maker's Name _____
 Description _____
 Number of cylinders _____
 Engine No. _____
 Chassis No. _____
 Cost Price _____

In witness whereof the Mortgager/Borrower has hereunto set his hand and Shri _____
 in the office of _____ for and on behalf of the Board has hereinto set his hand.
 Signed by the said in the presence of:

(1) _____

(2) _____

(Signature of Witnesses)

 (Signature & Designation
 of Borrower)

Signed by (name and designation)

1. _____

2. _____

For and on behalf of the Board of Trustees of the Port of Visakhapatnam in presence of

(1) _____

(2) _____

(Signature of witnesses)

 (Signature & Designation of
 of the Officer)

*Name and designation of the Borrower.

ANNEXURE-VII

VISAKHAPATNAM PORT TRUST

APPLICATION FORM FOR ADVANCE FOR PURCHASE OF BICYCLE

EMP.NO. _____

DESIGNATION:

1. Name in full:
2. Amount of advance applied for Rs. :
3. Date of appointment :
4. Whether Permanent/Quasi permt./Temporary : Permanent/Quasi permt./Temporary.

Declaration :

In the event of the bicycle advance applied for being sanction, I declare that :

- (a) I will repay the amount of the advance in 24 instalments commencing from the month following that in which the advance is actually made. I also agree to pay interest on the advance at the rate prescribed in this regard from time to time for loans and advances.

- (b) I undertake to refund forthwith any surplus money that will be available out of the advance after paying the cost of the cycle.
- (c) I clearly understand that suspension of the recoveries of any deductions from my salary will not be permitted by reason of deductions on account of cycle advance applied for.
- (d) I do also hereby declare that the distance of my residence from the Head quarters office is more than 8 kms.
- (e) I agree that the cycle purchased with the advance will be considered to be the property of the Board and I Will not sell or mortgage until the advance with interest accrued thereon is fully repaid.
- (f) I will submit the original 'Receipt' received from the dealer or the party for the purchase of bicycle within 15 days of the receipt of the advance sanctioned to me failing which it will be open to the Board to recover the entire amount of the cycle advance from my salary forthwith:
- (g) I have not taken cycle advance within the last two years :
- (h) The cycle in my possession purchased with the help of earlier advance has become unserviceable. The statement should be supported by the satisfactory evidence to be produced before the sanctioning authority.

Section :

Department:

Date:

Signature of the applicant

Full Residential address: